www.vibhorvarta.com

R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251

E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक

विभोर वार्ता

''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार

शुक्रवार, 20 जून 2025

(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)

वर्षः 17 अंकः 226

पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक

सहकारिता से लेकर बदरीनाथ मास्टर प्लान तक कई महत्वपूर्ण फैसले

देहरादून(सूवि)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सहकारिता, पशुपालन, डेयरी और पर्यटन से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक के निर्णयों की जानकारी सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने प्रेस वार्ता में दी। बताया कि कैबिनेट ने सहकारिता विभाग में ब्लॉक से लेकर राज्य स्तर तक ऑडिट कराने के निर्णय पर मुहर लगाई। इस कार्य के लिए उप निबंधक (ऑडिट) लेवल-11 का पद सृजित किया गया है, जो पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति से भरा जाएगा। बदरीनाथ ध

ाम मास्टर प्लान के तहत सौंदर्यीकरण कार्यों को भी हरी झंडी दी गई। इसके अंतर्गत दीवारों पर कलात्मक चित्रण (आर्टवर्क) किया जाएगा, जिसमें आईएसबीटी की दीवारें भी शामिल होंगी।

पशुपालन विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को मिलने वाली 90% सब्सिडी वाली गाय योजना को डेयरी विभाग की 'गंगा गाय योजना' के साथ मर्ज करने की मंजूरी दी गई। अब इस योजना का लाभ सामान्य वर्ग के लोग भी ले सकेंगे। हालांकि, सामान्य वर्ग को कितनी सब्सिडी मिलेगी, इस पर निर्णय अगली कैबिनेट बैठक में होगा।

इसके अतिरिक्त पशुधन प्रसार अधिकारियों के 429 रिक्त पदों को भरने की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है। इनके लिए पूर्व में निर्धारित दो वर्ष की प्रशिक्षण अवधि को घटाकर एक वर्ष करने का निर्णय लिया गया है।

युवा सपनों की तासीर बदल रही देवभूमि उद्यमिता योजना

देहरादून। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में देवभूमि उद्यमिता योजना युवा सपनों की तासीर बदल रही है। राज्य सरकार की पहल पर शुरू की गई इस योजना के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। जिससे छात्र-छात्राओं की व्यावसायिक सोच विकसित हो रही है। योजना के तहत अबतक 26247 छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया है जबकि प्रशिक्षण के उपरांत 965 छात्रों ने अपने उद्यम स्थापित कर मुनाफा भी कमाना शुरू कर दिया है।

नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों को दृष्टिगत रखते हुये राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में देवभूमि उद्यमिता योजना शुरू की। जिसका मकसद राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाना था। योजना के तहत 124 उच्च शिक्षण संस्थानों में देवभूमि उद्यमिता केन्द्र स्थापित किये गये, जिनके माध्यम से छात्र-छात्राओं में व्यावसायिक सोच विकसित कर उनमें बिजनेस आइडिया और बाजार से जुड़ने से संबंधित जरूरी कौशल दिया जा रहा है। (शेष पृष्ठ सात पर...)

निर्वाचन आयोग वोटर आईडी कार्ड वितरण में लाएगा तेजी

देहरादून/ दिल्ली। मतदाताओं को मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) की तेजी से डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए, भारत के निर्वाचन आयोग ने एक एसओपी जारी की है।

नई एसओपी के तहत वोटर लिस्ट में अपडेट के 15 दिनों के भीतर वोटर आईडी कार्ड की डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। इस पहल में किसी मतदाता का नया नामांकन या मौजूदा मतदाता के किसी भी विवरण में बदलाव जैसी सुविध ा शामिल हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मतदाताओं की सुविधा के लिए उठाया गया कारगर कदम है।

आयोग द्वारा नई प्रणाली निर्वाचन

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा वोटर कार्ड बनाने से लेकर डाक विभाग (डीओपी) के माध्यम से मतदाता को वोटर कार्ड की डिलीवरी तक प्रत्येक चरण की वास्तविक समय पर ट्रैकिंग सुनिश्चित करेगी। मतदाताओं को प्रत्येक चरण पर ैडे के माध्यम से सूचनाएं भी

(शेष पृष्ठ सात पर...)

सांसद बलूनी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और इन परियोजनाओं पर की चर्चा

ऋषिकेश। ऋषिकेश-बद्रीनाथ राजमार्ग पर मुनि की रेती, तपोवन में बॉटल नेक (संकीर्ण सड़क) की बहुत बड़ी समस्या है। खासकर चार धाम की यात्रा के समय इस क्षेत्र में यातायात का दबाव अधिक होने के कारण अक्सर जाम लगता है जिससे यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है। साथ ही, गढ़वाल में कई जगह बॉटल नेक और स्लाइड जोन्स की दिक्कतें है। इससे स्थानीय लोगों को कई बार विशेष तौर पर बारिश के मौसम में आवागमन में परेशानियों से दो-चार होना पड़ता है।

इन सभी समस्याओं को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री आदरणीय छपजपद ळंकांतप से लंबी चर्चा की। उन्होंने आश्वस्त किया कि

अगले एक पखवाड़े में ही वे मेरी उपस्थिति में गढ़वाल लोक सभा में बॉटल नेक, स्लाइड जोन्स और सड़कों की समस्या को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे और इन सभी समस्याओं के समाधान की दिशा में त्वरित कदम उठाएंगे।

गढ़वाल लोक सभा की सड़क संबंध ी सभी समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में यह मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय नितिन गडकरी जी का हृदय से आभार!

कैबिनेट मंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को दिए नियुक्ति पत्र

हल्द्वानी (ब्यूरो)। उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बुधवार को हल्द्वानी ब्लॉक सभागार में जनपद नैनीताल की नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से चयनित कुल 323 अभ्यर्थियों में से 177 को मौके पर ही नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों से अनुपस्थित 146 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र डाक के माध्यम से भेजे जाएंगे।

मंत्री रेखा आर्या ने इस अवसर को "सेवा, समर्पण और समाज कल्याण का

अवसर" बताते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री का पद केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज के नौनिहालों के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संपन्न किया गया, जिसे महज तीन महीनों में पूर्ण कर लिया गया।

मंत्री ने जानकारी दी कि पूरे उत्तराखंड में कुल 7052 पदों पर नियुक्तियां की गई हैं, जिनमें 722 कार्यकत्री और 6330 सहायिका शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अब विभाग में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, बीटेक, एमटेक जैसी उच्च डिग्रियों वाली महिलाएं चयनित हो रही हैं, जिससे विभाग की कार्यक्षमता और सेवा की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव आएगा। मंत्री आर्या ने यह भी कहा कि अब राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यकत्री और सहायिका की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है, जिससे बाल विकास सेवाओं में व्यापक सुधार होगा।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक बंशीधर भगत ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी नियुक्त महिलाओं को बधाई दी और कहा कि वे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के क्षेत्र में भी सक्रिय प्रयास कर रही है, जिसका परिणाम है कि उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में देशभर में सातवें स्थान पर है ख्र यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

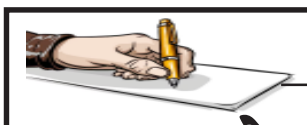

युद्ध रोकने की मंशा

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। यदि अमरीका या इजरायल उन्हें निशाना बना कर खत्म करते हैं, तो ईरान में किसी भी तरह का विद्रोह नहीं होगा। ये हालात तब से बने हैं, जब ईरान में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता माहसा अमीनी को जेल में यातनाएं देकर मार दिया गया था। महिलाएं सडकों पर उतरी थीं। उन्होंने अपने बुर्के जलाए थे। बाल काट-काट कर आग के हवाले कर दिए थे। उन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी खामेनेई हुकूमत ने 500 से अधिक महिलाओं को मार दिया था। उस सोच के तबके आज भी 'मजहबी नेता' की हुकूमत के खिलाफ हैं। कुछ इस्लामी देशों समेत ईरान में भी, अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के खिलाफ, छिटपुट विरोध-प्रदर्शन किए जा सकते हैं, लेकिन अमरीका और इजरायल के खिलाफ व्यापक विद्रोह सामने नहीं आएंगे। एक तबका तो आज भी ट्रंप और नेतन्याहू को 'शैतान' करार देता है। बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वस्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हस्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं। तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिस्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडने की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10,765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया।

कौआ किसका धन हर लेता?

गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी अगर हम ऐसा कर सकें तो हम संन्यासी हैं, फिर हमें किसी और बाहरी चिन्ह की या बाहरी दिखावे की आवश्यकता नहीं है। कई बार यह सवाल किया जाता है कि आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत कहां से करें, तो इसका उत्तर बहुत सीधा-सादा है जिसका इशारा संत कबीर जी ने अपनी वाणी में किया है जिसका आसान सरलार्थ 'कौआ किसका धन हर लेता' नामक दोहे में समझाया गया है। जब हम सबसे मीठे बोल बोलें, किसी की निंदा न करें, किसी पर क्रोध न करें, किसी का अपमान न करें, न मन से, न वचन से, न कर्म से, तो हम प्रभु का प्यार पाने के काबिल हो जाते हैं। तब हमारा अपना मन ही प्रभु का मंदिर बन जाता है, हमारा हर कर्म ही पूजा हो जाता है। यही यज्ञ है, यही अध्यात्म है, यही परमात्मा तक पहुंचने का प्रामाणिक और सबसे आसान रास्ता है। किसी को सही राह दिखा देना, किसी का उत्साह बढ़ा देना, किसी को दो मीठे बोल बोल देना, किसी का मार्गदर्शन कर देना, किसी की सहायता कर देना आदि सब सत्कर्म हैं।

विद्वजनों, ज्ञानियों, संतों-मुनियों की हर छोटी-बड़ी बात में गहरा ज्ञान छुपा होता है। मेरे पिताश्री हमेशा एक दोहा सुनाया करते थे- 'कौआ किसका धन हर लेता, कोयल किसको दे देती है/अपने मीठे बोल सुनाकर, सबका मन हर लेती है!' जब मैं बड़ा हुआ तो तब मुझे पता लगा कि यह दोहा वास्तव में हिंदुओं, मुसलमानों और सिखों में समान रूप से प्रिय भारतीय रहस्यवादी कवि, संत कबीर दास जी ने रचा था। उनका असल दोहा यूं है- 'कागा का को धन हरे, कोयल का को देय/मीठे वचन सुना के, जग अपना कर लेय!' सच ही है कि कौआ किसी का धन नहीं चुराता, कोयल किसी को द्यद्दछ दे नहीं देती, तो भी लोग कौए को उसकी कर्कश वाणी के कारण नापसंद करते हैं और कोयल की मीठी वाणी सारी दुनिया का मन मोह लेती है। मीठा बोलने वाला मिर्ची भी बेच लेता है और कड़ुवा बोलने वाला अपना गुड़ भी नहीं बेच पाता। यह तो रही दुनियादारी की बात, अध्यात्म की बात करें तो हमारे संत जनों का कहना है कि जब हम मन में किसी का बुरा नहीं सोचते, वचन से किसी को बुरा नहीं कहते और कर्म से किसी का बुरा नहीं करते तो अध्यात्म के मार्ग की हमारी यात्रा शुरू हो जाती है। भारतीय संस्कृति में हमारी हर सांसारिक कामना, हर इच्छा को भी धर्म से जोडने का प्रयास किया गया है। हम धन चाहते हों तो लक्ष्मी मां की पूजा करते हैं, विद्या चाहते हों तो वीणावादिनी माता सरस्वती की पूजा करते हैं, शुभ कार्यों की शुरुआत में गौरी नंदन गणपति गणेश जी की पूजा करते हैं। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में इतने सारे देवी-देवता हैं। हमारी संस्कृति में यह एक अनूठी प्रवृत्ति है कि हमारा हर कर्म ही पूजा हो जाए, हर कर्म ही यज्ञ हो जाए।

भारतवर्ष को धार्मिक लोगों का देश माना जाता है, आध्यात्मिक लोगों का देश माना जाता है। इस मामले में हम खुद को विश्वगुरु मानते हैं। इसके बावजूद असलियत यह है कि हमारे देश में अध्यात्म और आध्यात्मिक जीवन को लेकर भ्रम ही भ्रम हैं।

हम यह मानते हैं कि आध्यात्मिक होने का मतलब है कि व्यक्ति हिमालय पर जा बैठे, दुनिया को छोड़ दे, वैरागी हो जाए। हिमालय पर जाना, संन्यास लेना गलत नहीं है, लेकिन वैराग्य का यह अकेला मार्ग नहीं है। दरअसल, वैराग्य हमें संसार से नहीं, स्वयं के स्वार्थ से लेना है। परमात्मा द्वारा रचित इस संसार को तो पूरी करुणा के साथ पूरा का पूरा अपनाना है। ऐसा करके ही हम वैराग्य को पा सकते हैं। जब हम ऐसा कर लें तो हमारा मान, यानी अहंकार और मोह नष्ट हो जाते हैं। वैराग्य को लेकर एक और भ्रम यह है कि हमें अपनी कामनाओं का त्याग कर देना चाहिए। सच यह है कि कामनाओं का संपूर्ण त्याग संभव ही नहीं है। कामनाओं को त्यागने का मतलब है, स्वार्थजनित कामनाओं को त्यागना। भगवान कृष्ण कहते हैं कि स्वयं की चिंता से सर्व की चिंता तक उठना ही परमात्मा को पाने का सबसे सरल मार्ग है। सर्व की चिंता ही परमात्मा का असली पूजन है। अध्यात्म हमें अपने काम छोडने के लिए नहीं कहता। हम सब जानते हैं कि संत कबीर जी और संत रैदास जी भी पुश्तैनी काम करते थे। उन्होंने अपना काम नहीं छोड़ा, अपना पेशा नहीं छोड़ा। संत रैदास जी का प्रसिद्ध कथन 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' भी इसी भाव को दर्शाता है। हम जहां भी हों, जो भी काम करते हों, जिस भी पेशे में हों, बस अपना काम अपनी पूरी काबलियत, पूरी ईमानदारी और पूरी निष्ठा से करें और बाकी सब परमात्मा पर छोड़ दें तो हमारा हर काम ही पूजा हो जाता है। इसका मतलब क्या है? इसका मतलब है कि हम जो भी करें पूरी निष्ठा से करें, पर उसके बाद फल की चिंता छोड़ दें। हम सब ने भगवान कृष्ण का निष्काम कर्म का संदेश सुन ही रखा है। सुनने में यह बहुत कठिन लगता है, पर यह जरा भी कठिन नहीं है। हम जानते ही हैं कि हमारे कामों का फल सिर्फ हमारी मेहनत और काबलियत पर ही निर्भर नहीं करता। बहुत से घटक काम के परिणाम को प्रभावित करते हैं जिनमें से सब पर हमारा नियंत्रण होना संभव ही नहीं है। इसलिए अपनी पूरी काबलियत से काम करने के बाद फल की चिंता किए बिना अगला काम शुरू कर देना ही असली पूजा है। जब हमारा दृष्टिकोण 'जो होगा, देखा जाएगा' वाला हो जाता है तो जीवन आनंदमय हो जाता है। इसके बाद ध ीरे-धीरे हम 'जो होगा, देखा जाएगा' से भी आगे बढकर 'जो होगा, ठीक ही होगा' तक आ जाते हैं। यह सचमुच इतना ही सरल है।

वैश्विक शांति को प्रभावित करते युद्ध

देखा जाए तो कोई भी युद्ध वैश्विक शांति के लिए एक गंभीर खतरा है, जिससे संघर्षरत देश तो प्रभावित होते ही हैं, बल्कि दुनिया भर में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा होती है। युद्धों के कारण जान-माल का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संकट आते हैं और सामाजिक ताना-बाना बिखर जाता है। इसके अलावा युद्धों से विस्थापन, शरणार्थी संकट, पर्यावरण ह्रास और मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है।

विगत 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। 12 और 13 जून 2025 को अलसुबह इजरायल ने ईरान के परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों नतांज स्थित एटॉमिक फैसिलिटी सेंटर, इस्फहान, तेहरान और तबरीज पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए, जिसे 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया गया था। इन हमलों का उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को नष्ट करना और उसकी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को रोकना था। इजरायल ने हमलों से पहले अपनी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ मिलकर आईडीएफ ने ईरान में ड्रोन और अन्य हथियारों को पहुंचाया। इसके अलावा हथियार प्रणालियों से लदे वाहनों को भी ईरान लाया गया। इसने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया तथा इससे इजरायली विमानों को ईरान पर हवाई प्रभुत्व कायम करने में मदद मिली।

प्रत्युत्तर में 13 जून 2025 की शाम को ईरान ने भी इजरायल पर 150 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 100 से ज्यादा ड्रोनों के साथ जवाबी हमला किया। ये हमले इजरायल के प्रमुख शहरों जैसे येरुशलम, तेल अबीब और रिशोन लेजियन को निशाना बनाकर किए गए, जिससे नागरिक क्षेत्रों में संपत्ति के नुकसान और इजरायली नागरिकों के हताहत होने की खबरें हैं। भले ही दोनों देशों के बीच जमीनी सीमा रेखा नहीं है, तथापि दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम के पूर्णता की ओर बढने से इजरायल की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई थीं। इस युद्ध से अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है, लेकिन अभी तक कोई ठोस मध्यस्थता या युद्धविराम की पेशकश सामने नहीं आई है। दूसरी तरफ अमरीकी सेना ईरान की ओर से इजरायल पर जवाबी कार्रवाई में दागी गई मिसाइलों को रोकने में मदद कर रही है। वर्तमान में इजरायल-फिलिस्तीन, ईरान-सऊदी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे पहले से ही विश्व मंच पर तनाव बढ़ा रहे हैं। जहां तक वर्तमान ईरान-इजराइल युद्ध की बात है तो ईरान और इजराइल के बीच संभावित या वास्तविक युद्ध न केवल पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न कर सकता है। यह संघर्ष धार्मिक, राजनीतिक, भू-रणनीतिक और आर्थिक आयामों से जुड़ा हुआ है और इससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति पर संकट मंडरा सकता है। दूसरे, ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादकों में है और होरमुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल का 20 फीसदी गुजरता है। युद्ध की स्थिति में ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है जिससे वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इससे अमरीका, यूरोप, भारत जैसे देशों में ईंधन महंगा होगा और महंगाई बढ़ेगी। इस लड़ाई के परमाणु युद्ध में तबदील होने का खतरा भी है क्योंकि इजराइल के पास घोषित परमाणु हथियार हैं, जबकि ईरान पर परमाणु हथियार बनाने के आरोप हैं। यदि संघर्ष परमाणु हथियारों तक पहुंचता है, तो यह मानव सभ्यता के लिए विनाशकारी हो सकता है। इन दिनों विश्व युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं, क्योंकि अमरीका इजराइल का प्रमुख सहयोगी है। चीन और रूस, ईरान के रणनीतिक साझेदार हैं।

यदि ये महाशक्तियां प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होती हैं, तो यह टकराव तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकता है। यह युद्ध शिया (ईरान) और यहूदी (इजराइल) के बीच है, परंतु इसका प्रभाव मुस्लिम देशों में सुन्नी-शिया संघर्ष को भडका सकता है। युद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन सकते हैं जो यूरोप, तुर्की और एशियाई देशों की ओर पलायन करेंगे। इससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव और सामाजिक असंतोष बढ़ सकता है। युद्ध की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी और व्यापार व निवेश में गिरावट आएगी, जिसका विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था, जैसे भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि देशों पर खासा असर पड़ेगा। ईरान-इजरायल के बीच इस लड़ाई के गंभीर होने की स्थिति में खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं पैदा हो सकती हैं।

मोहल्ला क्लीनिक था भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार की मोहल्ला क्लिनिक को भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा करार देते हुए कहा है कि इलाज के नाम पर जनता को सिर्फ धोखा दिया गया। श्रीमती रेखा गुप्ता ने मंगलवार को तीस हजारी कोर्ट परिसर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि पिछली सरकार में मोहल्ला क्लीनिक की क्या स्थिति थी यह किसी से छिपी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ÷मोहल्ला क्लीनिक पूरी तरह से घोटाला था। इसमें न देखभाल थी, न दवाएं। इसका एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना था। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर नालों और गंदी जगहों पर पोटा केबिन में इसे खोला गया जहाँ प्रति मरीज 40 रुपये के हिसाब से डॉक्टर को भुगतान किया जाता था। ऐसी स्थिति में इलाज की गुणवत्ता की कल्पना की जा सकती है।÷ उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मोहल्ला क्लीनिक बनाने के नाम पर जो किराए पर जगह ली गई उसमें भी कई गुना अधिक भुगतान किया गया। मोहल्ला क्लीनिक पिछली

सरकार के भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा था।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में आज एक साथ 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पाँच साल पहले 2400 करोड़ रुपये धनराशि दिल्ली सरकार को दी गई, लेकिन पिछली सरकार ने अपने अहम के चक्कर में इस धनराशि का इस्तेमाल नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद उस धनराशि का इस्तेमाल किया जा रहा है और अगले साल मार्च तक 1140 आरोग्य मंदिर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोग्य मंदिर और मोहल्ला क्लीनिक में जमीन आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ आरोग्य मंदिर खुलते जाएँगे वहाँ पर मोहल्ला क्लीनिक को बंद कर दिया जाएगा। आरोग्य मंदिर में हर प्रकार की जाँच की सुविधा होगी और वहाँ क्वालिफाइड डॉक्टर होंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने जनऔषधि केंद्र सिर्फ इसलिए नहीं खोले क्योंकि उसमें प्रधानमंत्री जुड़ा था, लेकिन हमारी सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है और आज 17 जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं।

वहीं दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र के बाबर रोड पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा आज दिल्ली में स्वास्थ्य क्रांति का दिवस है। दिल्ली के लिए 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सस्ती दवाओं के लिए 17 नए जनऔषधि केंद्र, सिर्फ 100 दिन में केंद्र सरकार की संकल्पशक्ति और दिल्ली की नई सरकार की कार्यशक्ति का परिणाम है। इसके अलावा दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन केंद्रों का उद्घाटन करेंगे।

मोहल्ला क्लीनिकों को आरोग्य मंदिर बता रही भाजपा : 'आप'

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली की भाजपा सरकार ने राजधानी को 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्र की सौगात दी है। इसका उद्घाघटन आज सीएम रेखा गुप्ता द्वारा किया गया। हालाकि इन भाजपा द्वारा बनाए गए इन आयुष्मान आरोग्य मंदिर को आम आदमी पार्टी ने झूठ के पुलिंदे कहा है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने दावा करते हुए इमारत की दीवार पर लगे शिलापट्ट को दिखाते हुए कहा- केजरीवाल सरकार द्वारा बनाये गए मोहल्ला क्लीनिक और डिस्पेंसरी पर नया पेंट करके उन्हें नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर बताया जा रहा है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अभी आप लोग कई दिनों से अखबारों में पढ़ रहे होंगे कि 100 दिन दिल्ली की सरकार के पूरे हुए। इस दौरान जो सबसे बड़ी उपलब्धियां बताई गई हैं, उसमें एक बड़ी उपलब्धि है कि दिल्ली में करीब 31 जगह आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। चिराग दिल्ली में बने आरोग्य मंदिर को दिखाते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इसे भी भाजपा द्वारा बनाए जाने का दावा किया गया है। सौरभ ने मंदिर की दीवार पर लिखे हुए को पढ़कर सुनाया- इसके ऊपर लिखा हुआ है 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिराग दिल्ली।' 'मैं आपको सच्चाई बता रहा हूं कि ये कोई आरोग्य मंदिर नही है। ये दिल्ली सरकार की पुरानी डिस्पेंसरी है, जिसका उद्घाटन 2017 में उस समय के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कराया था। उन्होंने मीडिया को दीवार पर लगे शिलान्यास पट को भी पढ़कर सुनाया। दिल्ली सरकार- आप की सरकार। दिल्ली सरकार औषधालय, चिराग दिल्ली का उद्घाटन माननीय श्री सत्येंद्र जैन मंत्री स्वास्थ्य, गृह एवं लोक निर्माण विभाग के कर कमलों द्वारा, माननीय श्री सौरभ भारद्वाज विधायक, ग्रेटर कैलाश विधानसभा के सानिध्य से रविवार 3 दिसंबर 2017 को संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि ये भाजपा की सच्चाई है। ये कोई आरोग्य मंदिर नहीं है। ये वही डिस्पेंसरी है जो लाल रंग की ईंट की दीवार से बनी हुई थी। उसके ऊपर बीते 10 दिनों से केवल ये काम किया गया है कि पहले बाहर से लिपाई-पुताई की गई है। पीले रंग का पेंट किया गया है और फिर इस पर कुछ चित्र बनाए गए हैं। सौरभ ने दावा करते हुए कहा कि सब कुछ पहले जैसा ही है। वही डॉक्टर, वही फार्मासिस्ट वही सब सुविधाएं हैं। एसी भी हमने ही लगवाया है।

दिल्ली मेट्रो और ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के बीच रेलवे शोध सहयोग समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने रोलिंग स्टॉक और ट्रैक रखरखाव के उन्नत स्वचालन जैसे क्षेत्रों में मेट्रो रेल अनुसंधान पर सहयोग करने के लिए मेलबर्न स्थित मोनाश विश्वविद्यालय के रेलवे प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआरटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए। जिसका मकसद मेट्रो रेल टेक्नोलॉजी में रिसर्च और विकास पर सहयोग करना है। यह समझौता डीएमआरसी और मोनाश विश्वविद्यालय के रेलवे प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआरटी) के बीच हुआ। इस बारे में एक बयान जारी करते हुए डीएमआरसी ने बताया कि यह सहयोग रेलवे तकनीक में एक अग्रणी वैश्विक संस्थान के साथ जुड़कर अपनी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व रेलवे प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआरटी) द्वारा किया गया, जो रेलवे इंजीनियरिंग और खोज में अपने उत्कृष्ट काम के लिए जाना जाता है। बयान में बताया गया कि समझौते के हिस्से के रूप में, दोनों संस्थान रोलिंग स्टॉक और ट्रैक रखरखाव के उन्नत स्वचालन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रूप से अध्ययन करेंगे। डीएमआरसी अकादमी मोनाश विश्वविद्यालय के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रमों सहित सहयोगी गतिविधियों के लिए ज्ञान और प्रशिक्षण भागीदार के रूप में कार्य करेगी। समझौते के तहत IRT, मोनाश विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट शोध अध्ययनों की पहचान की जाएगी और केस-दर-केस आधार पर अलग-अलग समझौतों के तहत शुरू किया जाएगा। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष मेट्रो इंजीनियरों के कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से तकनीकी और अनुसंधान सहयोग के अन्य क्षेत्रों का भी पता

लगाएंगे। इस साझेदारी से मेट्रो यात्रियों की सुरक्षा, विश्वसनीयता और समग्र यात्रा अनुभव में सुधार होने की उम्मीद है। डीएमआरसी ने कहा कि यह पहल वैश्विक रूप से उत्कृष्ट व सबसे बेहतरीन तकनीक को अपनाने और मेट्रो संचालन व रखरखाव में इनोवेशन को बढ़ावा देने के उसकी बहुआयामी कोशिशों का हिस्सा है। दोनों संगठनों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली स्थित मेट्रो भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इस एमओयू पर साइन किए। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर स्थित मोनाश विश्वविद्यालय, उस देश के शीर्ष संस्थानों में से एक है, साथ ही IRT को रेलवे प्रणालियों और इंजीनियरिंग में अपनी विशेषज्ञता के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

दिल्ली में साल के केवल तीन प्रतिशत दिन साफ आबोहवा में सांस लेने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वर्ष में केवल तीन प्रतिशत घंटे ही सेहत के लिए सुरक्षित स्वच्छ वायु और सुहाने मौसम वाले होते हैं। एक नए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। सीईपीटी विश्वविद्यालय और एक जलवायु-प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में लगभग 2,210 तापीय रूप से आरामदायक घंटे दर्ज किए गए हैं, जिनमें बाहरी तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच था। अध्ययन के मुताबिक 1,951 घंटे खराब वायु गुणवत्ता (वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 से ऊपर) के भी होते हैं। इस प्रकार वर्ष में केवल 259 घंटे ही बचते हैं, जो लगभग तीन प्रतिशत है, जब दिल्लीवासी स्वच्छ वायु और सुखद तापमान दोनों का आनंद ले सकते हैं। 'इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ इंडोर एयर क्वालिटी' के आठ जून को आयोजित 'हेल्दी बिल्डिंग 2025' सम्मेलन में प्रस्तुत अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया कि गर्मी और वायु प्रदूषण का एक साथ होना सुरक्षित प्राकृतिक आबोहवा के अवसरों को गंभीर रूप से सीमित कर देता है। अध्ययन के मुताबिक दिल्ली की तुलना में, बेंगलुरु में 8,100 घंटे से ज्यादा समय स्वीकार्य वायु गुणवत्ता और सुखद तापमान की स्थिति रही। अहमदाबाद में गर्मी होने के बावजूद बाहरी परिस्थितियां ज्यादा अनुकूल रहीं। हालांकि, दिल्ली की तरह चेन्नई में भी 88 प्रतिशत आरामदायक घंटे खराब वायु गुणवत्ता के कारण प्रभावित हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन से खुलासा होता है कि गर्मी और प्रदूषण का अभिसरण भारतीय महानगरों में व्यापक होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भवन निर्माण कार्य, चाहे पूरी तरह से सीलबंद वातानुकूलित स्थानों पर आधारित हो या बिना फिल्टर वाले प्राकृतिक वेंटिलेशन पर आधारित हो, अब शहरी भारत की जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते। इस चुनौती से निपटने के लिए अध्ययन में भारतीय भवनों में वैयक्तिक पर्यावरण नियंत्रण प्रणालियों (पीईसीएस) को मुख्यधारा में लाने की सिफारिश की गई है। ये प्रणालियां हवा के संचरण को नियंत्रित करती हैं और स्थानीय स्तर पर आदर्श तापमान बनाए रखती हैं तथा विशेष रूप से मिश्रित-मोड वाली इमारतों में उपयोगी होती हैं, जो दिन के समय, मौसम या प्रदूषण के स्तर के आधार पर प्राकृतिक और यांत्रिक हवा निकासी के बीच बदलाव करती हैं। अनुसंधानकर्ताओं द्वारा तैयार 'मॉडल' में पाया गया कि पीईसीएस पारंपरिक वातानुकूलित व्यवस्थाओं की तुलना में चेन्नई में वेंटिलेशन के लिए उपयोग की जाने वाली ऊर्जा में 72 प्रतिशत, अहमदाबाद में 70 प्रतिशत और दिल्ली में 68 प्रतिशत तक की बचत कर सकती हैं।

दिल्ली के महापौर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर बल्लीमारान का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मंगलवार को सिटी एसपी जोन के बल्लीमारान में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर खुलने के बाद लोगों को अब बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर रोदग्रान, बल्लीमारान में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ 14 विभिन्न स्वास्थ्य जांच और टेलीमेडिसन जैसी सेवाएं निशुल्क उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को यहां स्वास्थ्य देखभाल, दवाइयां और उपचार निशुल्क उपलब्ध रहेगा। इससे गर्भावस्था के दौरान होने वाली मुश्किलों को कम करने में मदद मिलेगी।

इकबाल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की यह पहल आयुष्मान आरोग्य मंदिर दिल्ली की जनता को सुलभ व निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में क्रांतिकारी साबित होगी। उन्होंने बताया कि चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ यह आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य जागरुकता के प्रसार में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

महापौर ने कहा कि केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीब को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। वहीं अब आरोग्य मंदिरों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि कहा कि नगर निगम दिल्ली को स्वच्छ व हरित बनाकर, शिक्षा की अलख जगाकर और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाकर विकसित भारत के निर्माण में अपना अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूर्ण रूप से समर्पित और तैयार है।

दिल्ली को मिले 33 आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्र; रेखा गुप्ता बोलीं- झाड़ू से कर रहे पिछली सरकार के भ्रष्टाचार की सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की सौगात देने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार पर बड़ा हमला बोला। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकार की झाड़ू जो यहां रह गई है, उसी से हम पिछली सरकार के भ्रष्टाचार की सफाई कर रहे हैं। जहां-जहां भी भ्रष्टाचार के अड्डे बने थे, वहां सभी को साफ करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में 33 आरोग्य मंदिरों और 17 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन यहां की जनता के लिए मील का पत्थर साबित होने वाला है। इन आरोग्य मंदिरों में लैब, सारी दवाइयां और वैक्सीनेशन की पूरी सुविधा है। मेडिकल ऑफिसर, डॉक्टर, नर्स और पैरा मेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। ये दिल्ली में हेल्थ के मामले में बड़ा बदलाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'आयुष्मान जैसी योजनाएं दिल्ली के लिए दी गई थीं, जिसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए था। बेहतर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5 साल पहले दिल्ली को केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपये दिए, लेकिन पिछली सरकार ने लोगों के लिए फ्री दवा, वैक्सीन जैसी व्यवस्थाओं के लिए काम नहीं किया।' उन्होंने

कहा, 'केंद्र सरकार की तरफ से मिले फंड का आखिरी साल चल रहा है, इसलिए हमारी सरकार को आते ही युद्ध स्तर पर काम शुरू करना पड़ा। 100 दिन में हमारी सरकार ने आरोग्य मंदिरों की तैयारी की और मंगलवार को 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन कर दिया गया है।'

रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में हर विधानसभा के अंदर कम से कम 15 आरोग्य मंदिर खोलने की योजना बनाई गई है। दिल्ली के सरोजिनी नगर में भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन हुआ, जहां मंत्री प्रवेश वर्मा की पत्नी स्वाति वर्मा ने हिस्सा लिया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'इस आरोग्य मंदिर के बाद छोटी बीमारियों के लिए लोगों को अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छोटी-छोटी बीमारियों का इलाज यहीं पर हो जाएगा और इस वजह से अस्पतालों में भीड़ कम होगी।'

इसी तरह दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जगह-जगह आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे। इन आरोग्य मंदिरों में लोगों को घर के पास ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

इसी क्रम में दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बाबर रोड डिस्पेंसरी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, 'यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सोच का परिणाम है। इन केंद्रों में मुफ्त इलाज, दवाएं, फिजियोथेरेपी और वेलनेस सेंटर की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे छोटी-मोटी बीमारियों के लिए लोगों को बड़े अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

वहीं, बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने यमुना विहार के बी ब्लॉक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक की आलोचना करते हुए कहा कि मोहल्ला क्लीनिक इतने छोटे थे कि लोग प्रवेश करते ही गिर जाते थे। वहां टेस्ट की सुविधा नहीं थी। लेकिन आयुष्मान आरोग्य मंदिर में टेस्ट होंगे और लोग योग भी कर सकेंगे। खजूरी खास में मंत्री कपिल मिश्रा ने भी एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत दिल्ली में 2406 करोड़ रुपये की लागत से 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। दिल्ली सरकार, नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की 33 डिस्पेंसरियों को इन केंद्रों के रूप में विकसित किया गया है। इसकी शुरुआत 14 जून को होनी थी, लेकिन अहमदाबाद विमान हादसे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। आज दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन केंद्रों का उद्घाटन करेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

एक मैच में तीन सुपर ओवर, नीदरलैंड ने नेपाल को हराकर नया रिकॉर्ड बनाया

ग्लासगो (एजेंसी)। नीदरलैंड ने यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के मैच में नेपाल को तीसरे सुपर ओवर में हरा कर नया रिकॉर्ड बनाया। टी20 या लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में यह पहला अवसर है जबकि किसी मैच का परिणाम तीसरे सुपर ओवर में निकला। माइकल लेविट ने सोमवार की रात को खेले गए इस मैच में तीसरे सुपर ओवर में छक्का लगाकर आखिर में नीदरलैंड को जीत दिलाई।

नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाए। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी क्योंकि नेपाल को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। नेपाल के निचले क्रम के बल्लेबाज नंदन यादव ने हालांकि अंतिम ओवर में दो चौके लगाए। उन्होंने आखिरी गेंद पर भी चौका लगाया जिससे नेपाल आठ विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर करने में सफल रहा। कुशाल भुर्टेल ने 18 रन बनाकर नेपाल को पहले सुपर ओवर में 19 रन तक पहुंचाया लेकिन नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडॉव ने पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमशः छक्का और चौका लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। नीदरलैंड ने दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी की और 17 रन बनाए। लेकिन नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने काइल क्लेन की आखिरी गेंद को छक्के के लिए भेज कर मैच को नए मोड़ पर खड़ा कर दिया। नेपाल तीसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए एक भी रन नहीं बना पाया। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर जैक लायन कैशेट ने चार गेंदों में बिना कोई रन दिए दो विकेट लेकर नेपाल का ओवर जल्दी समाप्त कर दिया। नीदरलैंड को इस तरह से मैच जीतने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी, ऐसे में लेविट ने संदीप लामिछाने के ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़कर मैच का शानदार अंत किया। मेजबान स्कॉटलैंड टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला की तीसरी टीम है।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं।

उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

वैभव को अभी भारतीय टीम में जगह के लिए करना होगा इंतजारः वेंकटपति राजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और दूसरा सबसे तेज शतक लगाकर क्रिकेट जगह में अपनी अलग पहचान बनाने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की जाने लगी है। ये भी कहा जा रहा है कि जो काम सचिन ने 16 से 17 में किया। वहीं वैभव 14-15 साल में कर लेना चाहते हैं। ऐसे में अब क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले। वहीं इसी को लेकर पूर्व स्पिनर और चयनकर्ता वेंकटपति राजू का कहना है कि इस क्रिकेटर को अभी टीम इंडिया में प्रवेश के लिए इंतजार करना होगा। साथ ही कहा कि उनकी सचिन से तुलना नहीं की जा सकती है। वैभव अभी इंडिया अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए हुए हैं। महज 14 की उम्र में उन्होंने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान किया है। आईपीएल में 35 गेंदों पर शतक के बाद वैभव ने इंडिया अंडर-19 के अभ्यास मैच में भी 90 गेंद में 190 रन की पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया था।

राजू ने कहा कि वैभव को भारतीय टीम की जर्सी में देखने के लिए हमें अभी और इंतजार करने की जरूरत है। इस स्पिनर ने कहा, 'हां, वह अभी काफी समय लेगा। उसे अंडर-19 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बीच में घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने होंगे। 4 दिन के मैच में अच्छा करना होगा। हम उसे समय दे सकते हैं। उसमें प्रतिभा है, यह हम पहले ही देख चुके हैं पर सचिन से तुलना को वह ठीक नहीं मानते। उन्होंने भारत के लिए खेलने से पहले सचिन तेंदुलकर के घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन का खास तौर पर जिक्र किया।

राजू ने कहा, यह निरंतरता पर निर्भर करता है। सचिन ने रणजी ट्रॉफी के डेब्यू मैच में शतक लगाया था। इसके बाद दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में शतक लगाय। शेष भारत के लिए शतक बना। वहीं ईरानी ट्रॉफी 1989 के अपने पहले मैच में भी सचिन ने शतक लगाया था।

रोहित और विराट की कप्तानी में खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला : शुभमन

लंदन। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का कहना है कि उनके पास रोहित शर्मा और विराट कोहली की कप्तानी में खेलने का अनुभव है और इससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है जिसका लाभ उन्हें सीरीज में मिलेगा। शुभमन ने कहा कि कैसे रोहित मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों को जो कुछ भी कहते थे कोई नाराज नहीं होता था। वही कोहली के पास हमेशा एक बैकअप विकल्प हुआ करता था। शुभमन के अनुसार कोहली कप्तान के तौर पर मैदान में हमेशा आक्रामक रहते थे। गेंदबाजों की सहायता के लिए उनके पास हमेशा योजना होती थी। शुभमन ने कहा, 'जब मैं विराट की कप्तानी में खेलता था तो टेस्ट मैच के दौरान मैदान में उनके आक्रामक रुख और विचारों को सोच को पसंद करता था और उसने सीखता था। वहीं अगर उन्हें लगता था कि यह ठीक है, यह योजना काम नहीं कर रही तो वह तुरंत एक दूसरी योजना रखते थे, गेंदबाजों को बताते थे कि वह उनसे क्या चाहते हैं।' वहीं रोहित की कप्तानी पर शुभकन ने कहा कि आप को ऐसा लग सकता है कि वह मैदान में आक्रामक नहीं दिखते पर जब रणनीति की बात हो तो वह बहुत ही ज्यादा आक्रामक थे। साथ ही कहा, देखने में यह लग सकता है कि रोहित शांत हैं लेकिन वह अपनी रणनीतियों को लेकर बहुत ही आक्रामक हो सकते हैं। वह बहुत ही आक्रामक कप्तान हैं। वह मैच से पहले, सीरीज के दौरान और यहां तक कि सीरीज के बाद भी साफ-साफ बता देते थे कि वह खिलाड़ियों से क्या चाहते हैं।

बीसीसीआई मुझे टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, मैंने इनकार कर दिया, जसप्रीत बुमराह ने पुष्टि की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद भारत की टेस्ट कप्तानी जसप्रीत बुमराह को मिलने की खबरें थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है। क्या इस बारे में बुमराह से पूछा गया, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थी और अब इस पर खुद बुमराह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि बीसीसीआई उन्हें टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में जसप्रीत बुमराह ने बताया कि वह टेस्ट कप्तान क्यों नहीं बने। पीठ की बार-बार चोट लगने के कारण बुमराह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकते हैं। वह इंग्लैंड में केवल तीन मैच ही खेल पाए थे। इसलिए उन्होंने इस दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम इंडिया को नुकसान न हो।

सप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक को बताया, इसमें कोई आकर्षक कहानी नहीं है, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइनिंग बयान नहीं है, या मुझे बर्खास्त कर दिया गया या मेरी देखभाल नहीं की गई। आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी। मैंने बीसीसीआई को फोन किया और उनसे कहा कि मैं नेतृत्व की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहता।'

बुमराह ने कहा, 'मैंने उन लोगों से बात की थी जिन्होंने मेरी पीठ (चोट) का इलाज किया था, जिसमें सर्जन भी शामिल थी। उन्होंने हमेशा मुझे बताया था कि मुझे कार्यभार के बारे में कितना होशियार रहना है। इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा। फिर बीसीसीआई मुझे नेतृत्व की भूमिका के लिए देख रहा

था। लेकिन मैंने कहा कि यह टीम के लिए उचित नहीं है। आप पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए एक कप्तान और तीन या दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अलग कप्तान नहीं रख सकते।'

आईसीसी के खिताबी मुकाबलों में अब तक चार बार हारी है ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई। अब तक सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी चार बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईपीसी टूर्नामेंट में खेलते समय बेहद जुनूनी और आक्रामक हो जाती है जो उसकी सफलता का राज माना जाता है। इसी कारण उसे अन्य टीमों से काफी अधिक सफलता मिली है। ऑस्ट्रेलिया के पास आईसीसी की सबसे ज्यादा ट्रॉफी हैं क्योंकि उसने सबसे अधिक फाइनल खेले हैं हालांकि इसके बाद भी उसे इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में कमजोर समझी जाने वाली दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले तीन बार और ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी इवेंट के फाइनल में हारी झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया की टीम सबसे पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के पहले फाइनल में 1975 में वेस्टइंडीज से हारी थी। ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का पहला एकदिवसीय विश्वकप था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एकमात्र टीम है, जिसने इन 50 सालों में सबसे ज्यादा फाइनल खेले हैं और उसे कुछ में ही हार का सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा फाइनल जीते हैं, लेकिन सबसे कम फाइनल हारे हैं। साल 1975 के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी बार आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप फाइनल 1996 में श्रीलंका से हारी थी। ये दूसरा अवसर था, जब ऑस्ट्रेलिया को किसी मेगा इवेंट के खिताबी मैच में करारी हार मिली थी। इसके बाद 2010 तक कंगारु टीम कोई भी फाइनल नहीं हारी। इस दौरान कई आईसीसी इवेंट वह जीती। साल 2010 में तीसरी बार आईसीसी इवेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम हारी। ये टी20 विश्वकप फाइनल इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था। इस प्रकार उसे तीसरी बार फाइनल में हार मिली। है, जो डब्ल्यूटीसी 2025 का फाइनल था। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कुल 10 आईसीसी इवेंट जीते हैं, जबकि भारतीय टीम ने 7 ट्रॉफी जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 6 एकदिवसीय विश्वकप, दो चैंपियंस ट्रॉफी और एक-एक टी20 विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप जीती हैं।

डबल्यूआर चैस ने जीता फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में ड्ब्रूचेस टीम ने कज़चेस को दोनों मैचों में 4-2 से हराकर विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 2024 में कजाकिस्तान में यह खिताब जीता था।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में 53 टीमों में से शीर्ष 16 टीमों ने जगह बनाई थी, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। हर मुकाबले में टीमों के बीच कम से कम दो मैच हुए, और बराबरी की स्थिति में प्लेऑफ मुकाबले भी कराए गए।

फाइनल मुकाबले में चमके डबल्यूआर के सितारे

डबल्यूआर चेस ने दोनों फाइनल मैचों में 4-2 से जीत दर्ज की। अलीरेज़ा फिरोज़ा, हिकारु नाकामुरा और मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने निर्णायक जीत दर्ज कर टीम को खिताबी जीत दिलाई।

टीम को बिग बेन और शतरंज मोहरे के मिश्रण से प्रेरित ट्रॉफी के साथ ₹75,000 की पुरस्कार राशि भी मिली।

तीसरा स्थान हेक्सामाइंड को

भारतीय सितारों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख से सजी हेक्सामाइंड चेस क्लब ने उज्बेकिस्तान की टीम को दोनों मैचों में 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं रैपिड विजेता भारत की एमजीडी 1 ने फ्रीडम टीम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। समापन समारोह में विश्व रैपिड टीम विजेता भारत की एमजीडी1 को भी विश्व विजेता की ट्रॉफी दी गयी।

समापन समारोह में आनंद का संबोधन

समापन समारोह में फीडे के उपाध्यक्ष और पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने सभी 53 टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ÷विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम जैसे टूर्नामेंट और वर्ल्ड कॉर्पोरेट चैम्पियनशिप जैसी पहलें इस खेल को दुनिया से जोड़ने का माध्यम बन रही हैं, और फीडे भविष्य में ऐसे और आयोजनों को लेकर प्रतिबद्ध है।÷

आमिर खान की 3 इडियट्स को नकारने पर काजोल ने रखी राय

काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मां को लेकर चर्चा में है। ऐसे में उन्होंने बताया है कि वह किस तरह से फिल्में चुनती हैं। काजोल ने बताया है कि उन्हें कई फिल्मों में काम करने के लिए ऑफर मिले हैं और कुछ फिल्मों को उन्हें ठुकराना पड़ा जो बाद में ब्लॉकबस्टर बन गईं। हाल ही में पिंकविला से बातचीत में, उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने आमिर खान और राजकुमार हिरानी की 3 इडियट्स को ठुकरा दिया था। हालांकि, काजोल को फिल्मों को ठुकराने का कोई पछतावा नहीं है। उनके मुताबिक अगर उन्हें स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती है तो वे मना करने से पहले ज्यादा नहीं सोचती हैं।

फिल्मों को रिजेक्ट करने से पहले नहीं सोचतीं काजोल

बातचीत में काजोल ने कहा कई बार ऐसा होता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण 3 इडियट्स है काजोल ने कहा मुझे फिल्मों को ठुकराने का कोई पछतावा नहीं है। मुझे लगता है कि ये फिल्में उनकी हैं। जैसा कि कहा जाता है कि जिसका लिखा हुआ है उसको मिलता है। तो, मुझे लगता है कि मैंने उन फिल्मों के बिना भी अपने लिए बहुत अच्छा किया है।

3 इडियट्स को लोगों ने सराहा

साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म 3 इडियट्स को लोगों ने खूब सराहा था। फिल्म का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया था। यह फिल्म चेतन भगत के उपन्यास फाइव पॉइंट समवन पर आधारित है। आमिर खान, आर माधवन और शर्मन जोशी की अदाकारी वाली यह फिल्म भारत की शिक्षा व्यवस्था पर हमला करती है। यह फिल्म नौजवानों के दिमाग में जगह बनाने में कामयाब रही। फिल्म में करीना कपूर ने अच्छी अदाकारी की थी।

काजोल को मिल रही थी पिया की भूमिका

फिल्म में पिया की भूमिका करीना कपूर ने निभाई है। काजोल ने पिया की भूमिका को अस्वीकार कर दिया, लेकिन करीना कपूर के किरदार ने दुनियाभर में कई लोगों का दिल जीत लिया। हाल ही में करीना ने खुलासा किया कि हॉलीवुड फिल्म निर्माता स्टीवन स्पीलबर्ग ने न केवल 3 इडियट्स देखी है, बल्कि फिल्म में उनके अभिनय की भी सराहना की है।

मां में नजर आएंगी काजोल

इस बीच, काजोल अगली बार फिल्म मा में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। यह हॉरर फिल्म है। फिल्म में काजोल अपनी बेटी को राक्षसों से बचाती हैं। कहा जाता है कि इस फिल्म का अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान से कनेक्शन है। अजय देवगन भी इस फिल्म के निर्माताओं में से एक हैं।

बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखते ही छा गईं दिशा पाटनी

10 साल के करियर में कीं 12 फिल्में

दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी खूबसूरती की वजह से छाई रहती हैं। इसके अलावा उनका फिल्मी करियर भी शानदार रहा है। लगभग 10 वर्षों से सिनेमाई दुनिया में अभिनेत्री अपने अभिनय का जादू बिखेर रही हैं। आज 13 जून को एक्ट्रेस अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर हम जानेंगे उनके फिल्मी करियर के बारे में।

तेलुगु फिल्म से रखा फिल्मी दुनिया में कदम

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी ने अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत साल 2015 में एक तेलुगु फिल्म लोफर से की थी। इस फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ द्वारा किया गया था, जिसमें अभिनेत्री ने मौनी का किरदार निभाया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म में वरुण तेजा भी मुख्य भूमिका में थे। शुरुआती करियर में ही अभिनेत्री को खराब दिनों का सामना करना पड़ा।

साल 2016 में अभिनेत्री एम एस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी फिल्म में नजर आईं। यह उनकी दूसरी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में पहली फिल्म थी। सुशांत सिंह राजपूत अभिनीत यह फिल्म भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के संघर्षों पर बनी थी। फिल्म में अभिनेत्री ने प्रियंका झा की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया था। वहीं बजट की बात करें तो, 104 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 200 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म में शानदार अभिनय के लिए अभिनेत्री को कई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसी कड़ी में उन्हें बेस्ट फिमेल डेब्यू का भी खिताब मिला था।

अलग-अलग अंदाज में दिखी दिशा

अपनी दूसरी फिल्म की सफलता के बाद दिशा पाटनी, जैकी चैन की फिल्म कुंग फू योगा में नजर आईं। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने अश्मिता की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म को भी विश्व स्तर खूब पहचान मिली। इसके बाद अभिनेत्री बागी 2, भारत, मलंग, बागी 3, राधे जैसी कई फिल्मों में नजर आईं। फिर साल 2024 में अभिनेत्री कल्कि 2898 एडी फिल्म में दिखीं, यह फिल्म स्टार कलाकारों से सजी थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण आदि शामिल थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए खूब पैसे कमाए थे। अपने फिल्मी करियर के दौरान अभिनेत्री ने सिर्फ कुछ ही हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, उन्हें ज्यादातर ग्लैमरस अंदाज के लिए जाना जाता है।

दिशा पाटनी की आगामी फिल्में

अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें तो उन्हें वेलकम टू द जंगल बुक में देखा जाएगा। इस फिल्मी की शूटिंग जोरो-शोरो से चल रही है।

नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में नजर आ सकते हैं विवेक ओबेरॉय

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। निर्देशक नितेश तिवारी इस मेगा प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर तैयार कर रहे कई हैं और अब तक इससे जुड़ी चुकी है बड़ी अपडेट्स सामने आ हैं। हाल ही में खबर आई कि विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म की कास्ट का हिस्सा बन सकते हैं। वे फिल्म में राक्षस योद्धा विद्युतजिह्व के किरदार में दिखेंगे, जो रावण (यश) के साथ युद्ध में नजर आएंगे। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार रकुलप्रीत सिंह निभा रही हैं। यानी विवेक इस फिल्म में उनके अपोजिट नजर आएंगे। इससे पहले अफवाह थीं कि अनिल कपूर और विक्रांत मैसी भी फिल्म में अहम भूमिकाएं निभाने वाले हैं, जहां अनिल को राजा जनक और विक्रांत को मेघनाद बताया गया था। हालांकि, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि ये खबरें केवल अफवाह थीं। बता दें कि फिल्म को दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा।

वामिका गब्बी ने 38 घंटों तक किया काम, दीपिका पादुकोण की मांग पर रखी राय

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा हाल ही में तब सुर्खियों में आए जब दीपिका ने संदीप रेड्डी वांगा के सेट पर आठ घंटे काम करने की मांग की। कथित तौर पर, फिल्म निर्माता ने उनकी मांगों को खारिज कर दिया। इसके बाद उन्हें फिल्म स्पिरिट से हटना पड़ा। हालांकि, इस मामले ने एक नई बहस को जन्म दिया है। अब इस मामले पर वामिका गब्बी ने भी कुछ कहा है। आइए जानते हैं।

वामिका गब्बी के मुताबिक उन्होंने लगातार 38 घंटे काम किया है। यह तब हुआ जब वह मॉडर्न लव- मुंबई और जुबली की शूटिंग में व्यस्त थीं। हाल ही में भूल चूक माफ में राजकुमार राव के साथ नजर आईं अभिनेत्री ने जूम के साथ बातचीत के दौरान यह बात कबूल की। उन्होंने अपने फिल्म निर्माताओं को बताए बिना 38 घंटे काम किया। उन्होंने कहा मैंने तीन शिफ्टों में 38 घंटे भी काम किया है। मैं इसे खुशी से कर रही हूं क्योंकि यह मेरे करियर की शुरुआत है और मेरे पास इसे करने के लिए पूरी ऊर्जा है। मुझे जो भी मिल रहा है, मैं उसे खुशी-खुशी कर रही हूं। वामिका गब्बी ने दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की शिफ्ट की मांग पर कहा कि उनके सिर पर कोई जिम्मेदारी नहीं है, जिससे वह काम कर पाती हैं। वह अपने करियर के इस पड़ाव पर अपने और अपने प्रियजनों के लिए कमाई करके खुश हैं। उन्होंने कहा मैं इस पड़ाव पर ऐसा कर सकती हूं क्योंकि मैं आजाद हूं और मुझ पर कोई पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं है।

वामिका गब्बी ने याद किया कि कैसे कभी-कभी निजी कारणों से शूटिंग रद्द हो जाती है। उन्होंने कहा कुछ सेट मानवीय कहानियां बताते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब उन्हें बिना वैनिटी वैन के जंगल में शूटिंग करने के लिए कहा गया था और वह सहमत हो गईं क्योंकि इससे उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में तरक्की मिलेगी।

तारा सुतारिया संग नजर आए रैपर एपी ढिल्लों

एपी ढिल्लों एक इंडियन-कैनेडियन सिंगर, रैपर हैं। इस सिंगर के पंजाबी गानों को खूब पसंद किया जाता है। एपी के कॉन्सर्ट में भी फैंस बड़ी संख्या में नजर आते हैं। हाल ही में इसी सिंगर को एक बॉलीवुड एक्ट्रेस के साथ देखा गया। दोनों को जब पैपराजी ने कैमरे में कैद करने की कोशिश की तो ये थोड़ा कॉन्शस हो गए। वायरल वीडियो में एपी ढिल्लों एक्ट्रेस तारा सुतारिया के साथ नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि दोनों किसी रेस्टोरेंट से बाहर निकल रहे हैं। जब पैपराजी ने तारा और एपी ढिल्लों की तस्वीरें लेनी चाहिए तो दोनों थोड़ा कॉन्शस हो गए। एपी ढिल्लों आगे वीडियो में तारा को कार तक लेकर जाते हैं। वह भी उसी कार में बैठ जाते हैं। तारा सुतारिया और एपी ढिल्लों के बीच इस वीडियो में अलग तरह की केमिस्ट्री दिखी। जिस जगह पर ये दोनों थे, वहां बारिश हो रही थी ऐसे में तारा को एपी ढिल्लों बारिश से बचाते दिखे। इस बात को यूजर्स ने भी गौर किया। यूजर ने भी इस वीडियो को खूब लाइक भी किया है।

तारा सुतारिया का करियर फ्रंट

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से करियर शुरू करने वाली तारा सुतारिया कई हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अगले साल वह 'केजीएफ' स्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी।

आजकल टेलिविजन में लोगों में काफी असंतोष, अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो तुरंत हां कह दूंगी

टेलिविजन से लेकर वेब सीरीज और फिल्मों तक में अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरती दिव्यांका त्रिपाठी दहिया आज एक ऐसा नाम है, जिन्हें दर्शकों ने सिर्फ पसंद ही नहीं किया बल्कि अपने दिल में जगह दी है। एक वक्त था, जब भोपाल की गलियों से निकलकर दूरदर्शन और रेडियो तक पहुंचने वाली इस लड़की ने सपनों की उड़ान भरी और मुंबई की चमक-धमक भरी दुनिया में अपनी सादगी और दमदार अभिनय से खास पहचान बनाई। माता-पिता की सीख और विश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानने वाली दिव्यांका आज भी कहती हैं, 'अगर पैरेंट्स ने मुझे एक्सप्लोर नहीं कराया होता तो शायद मैं खुद को जान नहीं पाती।' हर रिश्ते में भरोसे और फ्रीडम की बात करने वाली दिव्यांका, इंडस्ट्री में महिला-केंद्रित कहानियों की कमी को लेकर थोड़ा उदास हैं।

पैरेंट्स ने हर हुनर को निखारने का मौका दिया

मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी में सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम मेरे माता-पिता रहे हैं। अगर वे मेरे हुनर को पहचान नहीं पाते तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंचती। उन्होंने मुझे सिर्फ एक दिशा में ढालने की कोशिश नहीं की बल्कि मुझे अलग-अलग विधाओं से रूबरू कराया। मैंने कुछ साल भरतनाट्यम सीखा, भोपाल के बड़े तालाब में वॉटर स्कीइंग की, लाल परेड ग्राउंड में पुलिस के घोड़ों के साथ हॉर्स राइडिंग की, एनसीसी, माउंटनियरिंग की ट्रेनिंग ली, ड्रॉइंग और स्केचिंग भी सीखी। हालांकि, माता-पिता ने मेरा रुझान पहचाना और मुझे लगातार प्रोत्साहित किया। मैं सबसे यही कहना चाहती हूं कि बच्चों को सिर्फ वही न सिखाएं जो आपको पसंद है। उन्हें हर चीज आजमाने दें।

हर रिश्ते में फ्रीडम और भरोसा होना जरूरी है

दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, चाहे बात माता-पिता की हो, पति-पत्नी की या दोस्ती और रिश्तेदारों की, हर रिश्ते में स्पेस और फ्रीडम बेहद जरूरी होती है। सामने वाले की इच्छाओं का सम्मान करना और उस पर भरोसा जताना, रिश्ते को मजबूती देता है। अगर कोई उड़ना चाहता है, तो उसे उड़ने दीजिए। बीच में कोई व्यवधान मत डालिए। अगर हर रिश्ते में इस तरह की फ्रीडम होती है तो उड़ना आसान हो जाता है। अगर वो गिर भी जाए तो सपोर्ट सिस्टम एक गद्दे की तरह काम करता है, जो उसे चोट खाने से बचा लेता है। यही रिश्तों की असल ताकत है, प्रोत्साहन और विश्वास।

टीवी ने दिया महिलाओं की ताकत दिखाने का मौका

दिव्यांका बोलीं, पता नहीं क्या वजह है कि फिल्मवाले लड़कियों के लिए ज्यादा फिल्में बनाते नहीं हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला केंद्रित कहानियों की भारी कमी है। मुझे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट पसंद आए हैं, जिनमें महिलाओं की दुनिया और उनकी ताकत को दिखाया गया हो। ये मौका मुझे सबसे ज्यादा टीवी ने दिया। बहुत खुशनसीब हूं कि टीवी का जो पीक था, उस समय थी और जब वो पीक खत्म हुआ, तब तक मैं रही हूं। 2019 में मेरा लास्ट शो था। फिर मैंने वेब सीरीज वगैरह शुरू की। हालांकि, तब से लेकर अब तक मैंने ज्यादा प्रोजेक्ट्स नहीं देखे, जो मेरे पास महिलाओं का दमदार किरदार लेकर आए हों। जो बनते भी हैं, वो कुछ खास लोगों तक ही सीमित रह जाते हैं। जब लोग पूछते हैं कि आजकल कुछ क्यों नहीं कर रही हूं तो मैं कहती हूं कि पहले जाकर देखिए, मैंने क्या काम किया है।

आज भी टीवी से उतना ही प्यार करती हूं

दिव्यांका बोलीं, आजकल टेलिविजन में राइटिंग को लेकर लोगों में काफी असंतोष है और यह सही भी है। हां, टीवी काफी हद तक फॉर्मूला-ड्रिवन हो गया है, लेकिन इसका दोष अकेले टीवी को देना ठीक नहीं। यह ट्रांजिशन का दौर है, जो पूरी इंडस्ट्री को प्रभावित कर रहा है, चाहे वो वेब सीरीज हों या फिल्में। सभी अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। हर कोई बड़ा जोखिम लेने से डर रहा है। हालांकि, यह ईमानदारी से कहना चाहूंगी कि मैं आज भी टीवी से उतना ही प्यार करती हूं, जितना पहले करती थी। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट या शो मिले तो मैं तुरंत उसके लिए हां कह दूंगी क्योंकि टीवी पर ऐक्टर को बहुत कुछ एक्सप्लोर करने का मौका मिलता।

अनियंत्रित हाईवा ने स्कूटी में मारी टक्कर

नगर निगम के जमादार की मौत, लोगों ने ट्रक में लगाई आग

गयाजी। गया-बोधगया तटीय मार्ग पर विष्णुपद थाना क्षेत्र के घुघरीटांड बाईपास पर एक धार्मिक स्थान के पास बालू लदा हाईवा ने पीछे से स्कूटी सवार 30 वर्षीय प्रकाश कुमार को रौंद दिया। जहां उसकी मौत घटनास्थल पर हो गई। मृतक गयाजी नगर निगम के वार्ड 46 के जमादार था। वह ड्यूटी कर अपने घर माड़नपुर लौट रहा था। इसी क्रम में बोधगया की ओर से आ रही हाईवा ने रौंद दिया। घटना के बाद चालक हाईवा को लेकर मानपुर की ओर भागने लगा। लेकिन घटनास्थल पर मौजूद रहे लोगों ने हल्ला किया। हल्ला और भीड़ के हुजूम को देखते हुए घटनास्थल से 200 मीटर की दूरी पर हाईवा को खड़ा कर चालक फरार हो गया।आक्रोशित लोगों ने ज्वलनशील पदार्थ से हाईवा में आग लगा दी। भीषण और उमस भरी गर्मी में हाईवा लगी आग की लपेटा काफी तेजी थी, आसपास कई पेड़ और गुमटी भी उस आगजनी के चपेट में आ गया। साथ ही घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण गया-राजगीर, माड़नपुर से चांदचौरा, बोधगया से माड़नपुर, ओटीए से घुघरीटांड तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। इधर, घटना की सूचना पर डायल 112 पहुंचा। लेकिन उग्र भीड़ के तेवर देखकर वापस लौट गया। डायल 112 पर आक्रोशित लोगों ने पत्थर फेंका। वैसे स्थिति में तब विष्णुपद थाना एवं अन्य थाना की पुलिस सहित अन्य अधिकारी पहुंचे। हंगामा कर रहे लोगों को शांत करने का प्रयास किया। घटना की सूचना पर अग्निशमन की गाड़ी पहुंची। अग्निशमन गाड़ी पर पदाधिकारी व कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए निरंतर प्रयास किया। लेकिन आग की लपट इतनी तेज थी कि काबू पाने में 30 मिनट से अधिक समय लगा। साथ ही हाईवा के साथ-साथ पेड़ व गुमटी में लगे आग पर भी काबू पाया गया। तब पुलिस ने राहत की सांस ली। विष्णुपद थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि 30 वर्षीय प्रकाश कुमार जो कि गयाजी नगर निगम के जमादार रहे हैं। वह वार्ड संख्या-46 से ड्यूटी के बाद अपनी स्कूटी से घर माड़नपुर जा रहे थे। इसी क्रम में पीछे से आ रही हाईवा ने कुचल दिया। जहां उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर नगर निगम के कर्मचारी एवं स्वजन पहुंचे। जहां सड़क पर रखा शव को लेकर चित्कार मारने लगे। उसे समझाया गया। काफी मशक्त करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम कराने के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज भेजा दिया है। मृतक का क्षतिग्रस्त स्कूटी को विष्णुपद थाना लाया गया है। विष्णुपद थानाध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत नगर अंचल के सीओ द्वारा 20 हजार रुपये राशि दी गई है। गया-बोधगया तटीय मार्ग पर बोधगया थाना क्षेत्र के अंबा के पास अज्ञात हाईवा ने बुलेट सवार पत्रकार विनय कुमार मिश्रा को धक्का मारा था। जहां उनकी इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई है। इस वारदात के 10 दिन ही गुजरे थे कि एक बार फिर बालू लदा हाईवा ने स्कूटी सवार को कुचल दिया। जहां उनकी मौत हो गई। 10 दिनों में बालू लदा हाईवा ने दो लोगों की जान ली है। इधर बताया गया कि 15 जून यानी रविवार से जिले बालू का उठाव बंद किया गया हैं, फिर सवाल यह उठ रहा है कि कौन सा चलान पर बालू का हाईवा से परिचालन कराया जा रहा है, इसकी जांच कराने की जरूरत है।

मछलियों से भरी वैन सड़क पर पलटने से मची लूट

मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित चांदनी चौक एनएच पर सोमवार को मछलियों से भरी एक मैजिक वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद सड़क पर मछलियां बिखर गईं, जिससे अफरा-तफरी मच गई। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राहगीर जुट गए और मछली लूटने की होड़ लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वैन में करीब 15 कैरेट मछली लदी थी, जिसे बाजार समिति से वैशाली जिले के गोरौल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान मोतिहारी की ओर से आ रही एक ट्रक ने वैन को टक्कर मार दी, जिससे वैन पलट गई। मछलियां सड़क पर बिखरने के बाद कुछ लोगों ने मौका देख मछली उठाकर भागने की कोशिश की। हालांकि व्यापारी की सूझबूझ और पुलिस की तत्परता के चलते बड़ी मात्रा में मछली लूटे जाने से बच गई। ब्रह्मपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को संभाला और मछली लूटने वालों को खदेड़ दिया। बाद में मछलियों को पुनः वैन में लोड करवाया गया और सड़क से जाम हटाया गया। हादसे में वैन चालक को मामूली चोटें आई हैं। मछली व्यापारी ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि हादसा ट्रक की टक्कर से हुआ और लोगों ने मछली लूटने का प्रयास किया लेकिन पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से अधिकांश मछलियां सुरक्षित बचा ली गईं।

चालान काटने का वीडियो बनाने पर पुलिस ने युवक को पीटा, ताकते रहे दारोगा साहब

कुढ़नी। कानून का पाठ पढ़ाने वाले पुलिस महकमे में ही इसकी धज्जियां उड़ रही हैं। पुलिस वाहन के चालक भी किसी थानेदार से कम धौंस नहीं जमाते हैं। कांटी में बेरहमी से पिटाई का प्रकरण अभी सुर्खियों में था ही, इस बीच एक और एक मामला कुढ़नी थाना क्षेत्र के बलिया चौक पर सामने आया है, जहां पुलिस अधिकारी मूकदर्शक बने हैं और थाने का चालक युवक को सरेआम पीट रहा है। उसका मोबाइल छीन लेता है। युवक का कसूर केवल इतना है कि वह चालान काटने का वीडियो बना लेता है।मामले में थाना क्षेत्र के बलौर गांव निवासी बाइक सवार युवक सचिन कुमार ने वरीय पुलिस अधीक्षक से इसकी लिखित शिकायत की है। उसके साथ मारपीट का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी तेजी से प्रसारित हो रहा है, हालांकि दैनिक जागरण इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। युवक ने वरीय अधिकारियों से शिकायत में कहा है कि सोमवार की सुबह बलिया चौक पर जांच के दौरान हेलमेट नहीं होने को के कारण पुलिस ने एक हजार का चालान काटा, जिसका सचिन ने वीडियो बना लिया। आरोप है कि कुढ़नी थाने के एसआई विनय कुशवाहा व एक अन्य महिला कॉन्स्टेबल के सामने ही पुलिस वैन के चालक पवन कुमार ने सरेआम बीच सड़क पर पिटाई शुरू कर दी और उसका मोबाइल छीन लिया। स्थानीय लोगों के साथ दोनों पुलिस वाले तमाशबीन बने रहे और उसकी पिटाई होती रही। पीड़ित ने दिए गए आवेदन में कहा है कि वह कपड़े के व्यवसायी हैं। कुछ आवश्यक काम से अपने घर बलौर से बलिया चौक आए थे। उन्होंने स्थानीय होने का हवाला देते हुए चालान के पैसे संबंधित विभाग में जमा करने की बात कही, इतने में पुलिस वाहन के चालक ने उनका मोबाइल छीन लिया। मारपीट शुरू की। उन्होंने आरोप लगाया है कि मौके पर मौजूद एसआइ विनय कुशवाहा और एक महिला कॉन्स्टेबल ने भी बचाने की जगह उनके साथ हाथापाई की। उनकी जेब से नकद पांच हजार रुपये भी निकाल लिए। चालकों की थाने पर भी दादागीरीः प्रखंड अंतर्गत कुढ़नी, फकुली व तुर्की थाने में विभाग के कम, ज्यादातर निजी स्तर पर चालक ही काम करते हैं। चर्चा है कि उनसे पुलिस पदाधिकारी को ज्यादा फायदा पहुंचता है। उनके माध्यम से किसी मामले में अवैध उगाही आसान हो जाती है।

रूसा और पीएम ऊषा योजना के क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार, विवि. में होगा बदलाव

पटना। केंद्रीय स्कीमों के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालयों की लेटलतीफी को देखते हुए अब शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) और पीएम ऊषा योजना के क्रियान्वयन को लेकर स्वयं ही कार्ययोजना तैयार की है। उस पर विश्वविद्यालयों द्वारा अमल कराया जाएगा। इसी तरह पीएमश्री योजना (पीएम स्कूल फार राइजिंग इंडिया) को पूरी तरह धरातल पर उतारने का भी प्रयास चल रहा है। इस योजना में लगभग डेढ़ हजार विद्यालयों का केंद्र सरकार ने चयन किया है। इन योजनाओं को लेकर शिक्षा विभाग शीघ्र ही केंद्र से वित्तीय सहायता देने का आग्रह करेगा। शिक्षा विभाग द्वारा हर विश्वविद्यालय के विकास कार्यक्रमों पर फोकस किया जा रहा है, ताकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन और उसका लाभ संस्थानों और छात्रों को मिल सके। पीएम ऊषा योजना में नए वित्तीय वर्ष में राज्य के विश्वविद्यालयों को शोध कार्य और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 126.34 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों को अपनी कार्य योजना बनाने को कहा है। केंद्र सरकार द्वारा पटना विश्वविद्यालय और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय को 100-100 रुपये उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई है। पहली बार उच्च शिक्षा के विकास के लिए केंद्र सरकार ने करीब 283 करोड़ 20 लाख रुपये देने की सहमति दी है। इस राशि से आधारभूत संरचना विकास कार्य होगा। इससे उच्च शिक्षा को दुरुस्त करने और खामियों को दूर करने में मदद मिलेगी। उच्च शिक्षा निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि पीएम उषा योजना के तहत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया जाएगा। शिक्षण कार्य में गुणात्मक सुधार हेतु सहायक प्राध्यापकों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। हर संस्थान में डिजिटल बुनियादी ढांचे, मान्यता और रोजगार क्षमता में वृद्धि किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों को अपनी कार्य योजना बनाने को कहा है। केंद्र सरकार द्वारा पटना विश्वविद्यालय और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय को 100-100 रुपये उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई है। पहली बार उच्च शिक्षा के विकास के लिए केंद्र सरकार ने करीब 283 करोड़ 20 लाख रुपये देने की सहमति दी है। इस राशि से आधारभूत संरचना विकास कार्य होगा। इससे उच्च शिक्षा को दुरुस्त करने और खामियों को दूर करने में मदद मिलेगी। उच्च शिक्षा निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि पीएम उषा योजना के तहत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया जाएगा। शिक्षण कार्य में गुणात्मक सुधार हेतु सहायक प्राध्यापकों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मोतिहारी में पति-पत्नी विवाद में पुलिस पर हमला

मोतिहारी। पति-पत्नी विवाद को समझाने के दौरान महिला थाने में हिंसक झड़प हो गई। लड़की पक्ष ने पहले लड़के पक्ष पर और फिर पुलिस पर हमला कर दिया। इस घटना में महिला थानाध्यक्ष सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। लड़की पक्ष लखौरा थाना क्षेत्र का और लड़का पक्ष बरगिनिया का रहने वाला है। दोनों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए महिला थाने में काउंसलिंग की जा रही थी। काउंसलिंग के दौरान कहासुनी बढ़ गई। लड़की पक्ष के लोग पहले लड़के पक्ष से भिड़ गए। पुलिस ने जब बीच-बचाव की कोशिश की तो उन पर भी हमला कर दिया। सूचना मिलते ही टाउन थाना पुलिस और सदर एएसपी शिवम धाकड़ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया। हंगामा करने वाले पांच लोगों को हिरासत में लेकर नगर थाना ले जाया गया। सदर एएसपी शिवम धाकड़ ने बताया कि पति-पत्नी के आपसी विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से काउंसलिंग चल रही थी। इस दौरान लड़की पक्ष के लोगों ने न सिर्फ लड़का पक्ष पर हमला किया, बल्कि पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की। फिलहाल पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इजराइल का अब ईरान के विदेश मंत्रालय पर अटैक : अब तक 224 की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच चौथे दिन भी लड़ाई जारी है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन पहले इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 224 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। ईरान ने भी इजराइल पर पलटवार किया है। ईरान ने सोमवार सुबह सेंट्रल इजराइल में 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 घायल हुए। अब तक इजराइल में ईरानी हमलों में 20 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 500 घायल हुए हैं।

तेल अवीव की सड़कों पर भी खौफ, इजरायल के जवाब में ईरान के भी ताबड़तोड़ हमले : इजरायल ने बीते सप्ताह ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। तड़के 3 बजे ही इजरायली मिसाइलें ईरान के परमाणु ठिकानों पर बरसीं और सेना प्रमुख समेत 20 टॉप सैन्य कमांडरों को मार डाला गया। इन हमलों के बाद इजरायल को लगा होगा कि शायद इससे ईरान दहशत में होगा और मजबूत जवाब नहीं दे सकेगा। लेकिन अब तक के हालात से अंदाजा लग रहा है कि शायद इजरायल गलत था। ईरान की भले ही टॉप मिलिट्री लीडरशिप हमले में मारी गई, लेकिन वह जल्दी ही उससे उबरता दिखा है। उसने रविवार रात को इजरायल पर जमकर हमले बोले। यहां तक कि इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर भी मिसाइलें बरसी हैं।

सोमवार सुबह तेल अवीव में बसे इजरायली उठे तो चारों तरफ मलबा था। कई इमारतें जमींदोज हो गईं। चारों तरफ लोग खौफ में दिख रहे हैं और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव में ही ईरान की 4 बलिस्टिक मिसाइलें गिरी हैं। बंकर में छिपी एक महिला ने बताया कि उसने नीचे से ही धमाकों की आवाज महसूस की। यह बहुत तेज थी और मिसाइलों के हमले के चलते इमारतें पल भर में धराशायी हो गईं। महिला ने बताया कि सुबह होने पर जब हम बाहर निकले तो डर रहे थे। हर कोई खौफ में था। यहां तक कि हम मलबे के बीच से होते हुए गुजरे तो लोगों ने नाक बंद कर रखी थी। इसकी वजह यह थी कि हमें डर था कि कहीं हम सांस लेते हुए बारूद ही न अंदर ले जाएं।

करीब 10 इजरायलियों को अस्पताल ले जाया गया है और 4 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई इमारतें गिरी हैं। इजरायलियों के घायल या हताहत होने की संख्या बढ़ सकती थी, लेकिन पहले से ही सतर्क यहूदी मुल्क के ज्यादातर लोग बंकरों में छिपे रहे या फिर सुरक्षित ठिकानों में बने रहे। सोमवार को सुबह बड़ी संख्या में तेल अवीव की सड़कों पर खौफजदा इजरायली यह देखने के लिए निकले कि आखिर ईरान के हमलों से कितना नुकसान हुआ है। रात भर हुए ईरानी हमलों में 4 लोगों की मौत की खबर है। बीते 4 दिनों से जारी जंग में ईरानी हमलों में कुल 17 इजरायली मारे गए हैं। एक्सपर्ट बोले- इजरायल ने ईरान को कम आंकने की भूल की मिडल ईस्ट के मामलों की जानकार त्रिता पारसी का कहना है कि इजरायल ने ईरान की क्षमता को कम आंका था। उन्हें शायद अंदाजा नहीं था कि भीषण हमले के बाद भी ईरान इस तरह से उठ खड़ा होगा। क्रिंसी इंस्टिट्यूट की वाइस प्रेसिडेंट पारसी ने कहा कि इजरायलियों को लगा था कि वे अपने हमले से ईरान की कमांड को खत्म कर देंगे। उन्हें इस बात का अनुमान नहीं था कि ईरान इतनी मजबूती के साथ फिर से खड़ा होगा और जवाब देगा। उन्होंने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि ईरानी मिसाइलें इजरायल के अंदर घुसकर हमले कर रही हैं। उन्हें रोकने में इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर दिख रहा है।

अगर ईरान पर परमाणु हमला हुआ तो इस्राइल पर परमाणु बम बरसाएगा पाकिस्तान, शीर्ष अधिकारी का दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के सैन्य बलों के एक शीर्ष अधिकारी ने दावा किया है कि अगर इस्राइल ईरान पर परमाणु हमला करता है तो पाकिस्तान उस पर परमाणु बम बरसाएगा। जनरल मोहसेन रेजा की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक साक्षात्कार के दौरान आई।

बीते कुछ दिनों से ईरान और इस्राइल एक-दूसरे पर मिसाइल हमले कर रहे हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य रेजाई ने कहा, पाकिस्तान ने हमें आश्वासन दिया है कि अगर इस्राइल ईरान पर परमाणु बम का इस्तेमाल करता है, तो वे इस्राइल पर परमाणु बम से हमला करेंगे। परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान आईसीएएन के मुताबिक, इस्राइल और पाकिस्तान उन नौ देशों में शामिल हैं, जिनके पास वर्तमान में परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया रेजाई ने आगे कहा कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया है। उन्होंने मुस्लिम देशों को एकजुट होने का आह्वान भी किया। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के पास छिपी हुई क्षमताएं हैं, जिन्हें अभी तक उजागर नहीं किया गया है। पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं इस्राइल के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है, लेकिन उसने इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में ईरान का समर्थन किया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पिछले सप्ताह कहा था कि हम हर तरह से ईरान के साथ खड़े हैं। हम ईरानी हितों की रक्षा करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने किया समझौते का दावा इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वह पश्चिम एशिया में दो युद्धरत देशों के बीच एक समझौते पर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूक्रेन जंग में उ कोरिया का नुकसान, गंवाए हजारों सैनिक; पुतिन-किम जोंग की दोस्ती पर आएगी आंच?

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग में उत्तर कोरिया की एंट्री ने सबका ध्यान खींचा था। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने दोस्त पुतिन की मदद के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस की ओर से लड़ने के लिए भेजा था। अब हाल ही में यह खबर सामने आई है कि उत्तर कोरिया को जंग में भारी नुकसान पहुंचा है। ब्रिटिश डिफेंस इंटेलीजेंस ने हाल ही में दावा किया है कि यूक्रेन में रूसी सेना की ओर से लड़ रहे हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक हताहत हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस यूक्रेन जंग में कम से कम 6000 उत्तर कोरियाई सैनिक या तो मारे गए हैं, या इनमें से कुछ मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। बता दें कि किम जोंग अब तक अपने 11 हजार से ज्यादा सैनिकों को रूस भेज चुके हैं। इनमें से आधे सैनिकों के हताहत की होना किम जोंग के लिए अच्छी खबर नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह आंकड़े साझा किए हैं। इस दौरान यह भी कहा गया है कि किम जोंग ने हाल ही में अन्य सैनिकों को भी रूस भेजा है। बताया गया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को सबसे ज्यादा नुकसान कुर्स्क के रूसी ओब्लास्ट में हुआ है।

ग्रीनलैंड को बेचा या छीना नहीं जा सकता, ट्रंप की मंशा पर फ्रांस के राष्ट्रपति की दो टूक

नूक (ग्रीनलैंड) , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए कनाडा जाने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे। जहां उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने की इच्छा पर दो टूक जवाब दिया। राष्ट्रपति मैक्रों ने जोर देते हुए कहा कि ग्रीनलैंड को ना ही बेचा जा सकता है और न ही छीना जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीधी बात ये है कि फ्रांस और यूरोपीय संघ के सभी लोग मानते हैं कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और इसे कोई जबरन नहीं ले सकता। मैक्रों के इस बयान को स्थानीय लोगों ने तालियों से स्वागत किया। बता दें कि जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे मैक्रों का डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने जोरदार स्वागत किया। फ्रांस और यूरोप के ग्रीनलैंड के साथ होने पर जोर राष्ट्रपति मैक्रों ने आगे कहा कि ग्रीनलैंड की स्थिति यूरोप के लिए एक चेतावनी है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि आप अकेले नहीं हैं। फ्रांस और यूरोप आपके साथ हैं। इसके साथ ही जब मैक्रों से पूछा गया कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ग्रीनलैंड पर सैन्य कब्जा करने की कोशिश करें तो क्या फ्रांस मदद करेगा? तो इस बात के जवाब में

मैक्रों ने इस सवाल से बचते हुए कहा कि मैं सार्वजनिक रूप से इस तरह के काल्पनिक सवालों पर टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि मैं नहीं मानता कि हमारा मित्र और सहयोगी अमेरिका किसी दूसरे सहयोगी के खिलाफ आक्रामक कदम उठाएगा। देखा जाए तो इस बयान के जरिए मैक्रों ने अमेरिका को स्पष्ट संकेत दिया है कि यूरोप ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी दबाव या दखलअंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। यूरोप में मैक्रों की भूमिका फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल के महीनों में यूरोपीय संघ में फ्रांस की भूमिका को मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। उन्होंने खुद को यूरोप के नेता के तौर पर पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन को दिए जा रहे समर्थन पर सवाल उठा रहे हैं। मैक्रों ने हाल ही में पेरिस में एक सम्मेलन बुलाया जिसमें कई यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में यूक्रेन संकट और यूरोप की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। मैक्रों का ग्रीनलैंड को लेकर संकेत ग्रीनलैंड की यात्रा के दौरान रविवार को मैक्रों से डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने एक डेनिश हेलिकॉप्टर कैरियर पर मुलाकात की। यह बैठक इस बात का संकेत थी कि फ्रांस आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। इसके बाद तीनों नेता तेजी से पिघल रहे एक ग्लेशियर पर भी गए। वहां उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखा और साथ ही आर्थिक विकास, कम-कार्बन ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों पर चर्चा की।

पेज एक का शेष...

युवा सपनों की तासीर....

इसके अलावा युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यवसाय शुरू करने के लिये सीड फंडिंग भी की जा रही है। पिछले दो वर्षों में योजना के तहत अबतक 26247 छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया है। इनमें से 14260 ने दो दिवसीय बूट कम्पों में भाग लिया, जबकि 8721 युवाओं ने 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत अपनी किस्मत खुद लिखने की चाह रखने वाले 965 छात्रों ने अपने उद्यम स्थापित किये। जिनमें से 303 उद्यम खूब मुनाफा कमा रहे हैं। इतना ही नहीं इन उद्यमों के 25 ऐसे उत्पाद हैं जो अमेजन, फ्लिपकार्ट और मीशो जैसे ऑनलाइन प्लेटफार्म पर खूब बिक रहे हैं।

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण वाले 60 उद्यमों के एफएसएसएआई लाइसेंस बन गये हैं और 30 से अधिक लाइसेंस बनने की प्रक्रिया में है। जबकि 8 उद्यमों ने ट्रेडमार्क लाइसेंसे के लिये अवेदन किया है। प्रदेश में देवभूमि उद्यमिता योजना युवा सपनों की तासीर बदलने में कामयाब हो रही है, और छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और रोजगार सृजन की काबलियत पैदा कर रही है।

नये बिजनेस आइडिया को सीड फंडिंग'देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रत्येक वर्ष 20 छात्र-छात्राओं को उनके बिजनेस आइडिया के लिये सीड फंडिंग की व्यवस्था है। जिसमें 20 छात्रों को उनके नवाचार आधारित स्आर्टअप को 75 हजार की धनराशि सीट फंड के तहत प्रदान की जायेगी। योजना के तहत 1132 से अधिक छात्रों ने अपने व्यवसायों का उद्यम आधार बना लिया है।

बूट कैम्प और ईडीपी हैं बिजनेस के आधार योजना के तहत प्रत्येक महाविद्यालयों में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) आयोजित किये जा रहे हैं, जिनमें छात्र-छात्राओं को व्यावसायिक सोच, उद्यम प्रबंधन, विपणन और वित्तीय नियोजन की बारीकियां सिखाई जा रही है। इसके अलावा छात्रों में स्टार्टअप और उद्यमिता के प्रति जागरूक पैदा करने के लिये दो दिवसीय बूटकैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। जहां वह अपने आइडिया विशेषज्ञों के सामने रखते और इनमें से श्रेष्ठ व्यावसायिक विचारों को सीड फंड के लिये चयनित किया जाता है।

हर्बल हर्ट की कहानी'चौखुटिया (अल्मोड़ा) के दीपक सिंह नेगी के बुरांश, माल्टा व अन्य स्थानीय फलों से रेडी-टू-ड्रिंक जूस बनाने का आइडिया को योजना के तहत 75 हजार की सीड फंडिंग प्रदान की गई, साथ ही पैकेजिंग, ब्रांडिंग व मेंटरिंग का भी समर्थन दिया गया। आज उनकी फर्म 'हर्बल हर्ट' सफल उद्यम के रूप में स्थापित हो चुकी है और इसके तहत उन्होंने तीन अन्य युवाओं को भी रोजगार दिया है।

निर्वाचन आयोग....

प्राप्त होंगी, जिससे उन्हें उनके वोटर आईडी कार्ड की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती रहेगी।

इस उद्देश्य के लिए, चुनाव आयोग ने अपने हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर एक समर्पित आईटी मॉड्यूल पेश किया है। नया आईटी प्लेटफॉर्म मौजूदा सिस्टम को फिर से तैयार करके और वर्कफ्लो को सुव्यवस्थित करके मौजूदा प्रक्रिया को बदल देगा। डीओपी के एप्लिकेशन प्रोग्राम इंटरफेस (एपीआई) को निर्बाध वितरण के लिए ईसीआईनेट के साथ एकीकृत किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य डेटा सुरक्षा बनाए रखते हुए सेवा वितरण को बढ़ाना है। अपने सभी मतदाताओं को त्वरित और कुशल चुनावी सेवाएं प्रदान करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता में है।गौरतलब है कि पिछले चार महीनों में आयोग ने मतदाताओं और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए कई पहल की हैं।

सीएम ने अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ किया योगाभ्यास

देहरादून(सूवि)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है और भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधि कारियों-कर्मचारियों के साथ योगाभ्यास किया। आज गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री आवास परिसर में योगाभ्यास करते हुए सीएम ध ामी सभी से नियमित दिनचर्या में योग को शामिल करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मबोध की एक प्रक्रिया है। यह हमारे मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत ने सदैव मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा है और हमारी सनातन संस्कृति का मूल स्तंभ योग है। यही कारण है कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है और भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता देने के लिए प्रस्ताव रखा था, जिसे 177 देशों ने समर्थन दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड योग और ऋषि मुनियों की भूमि है। ग्राम स्तर तक सभी लोग योग से जुड़े, सरकार द्वारा इस दिशा में प्रयास किए गए हैं। योग से रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए नई योग नीति लाई गई है।

डीएम बंसल का पूरे दो घंटे का औचक निरीक्षण

डीएम ने चिकित्सालय को दिया सौगात, जल्द होगा अस्पताल का अपना SNCU,बड़ा टीकाकरण केन्द्र

देहरादून (ब्यूरो)। जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय के ओपीडी कक्ष, पैथोलॉजी लैब, दवाई वितरण कांउटर, सर्जिकल वार्ड, आपरेशन कक्ष, टीकाकरण कक्ष, टीबी वार्ड, ट्रामा सेन्टर, बाल रोग वार्ड, एक्स-रे कक्ष, आईसीयू का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से उनका हॉलचाल जाना तथा टीकाकरण कक्ष में स्टॉप, महिलाओं, तीमारदारों से चिकित्सालय में व्यवस्था के सम्बन्ध में जानकारी ली। लिफ्ट संचालित न होने तथा आरओ खराब होने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को फटकार लगाते हुए तत्काल व्यवस्था बनाने के निर्देश। जिलाधिकारी ने टीकाकरण विस्तारीकरण, टीकाकरण कक्ष में एसी, डिजिटल प्रिंटर लगाने, टीकाकरण में स्टॉप बढाने तथा एसएनसीयू संचालन के लिए स्टॉफ भर्ती स्वीकृति/निर्देश दिए।

मा0 सीएम के निर्देश; जनमन के सरकारी चिकित्सालय हो सुविधायुक्तकरने के निर्देशों के क्रम में डीएम जिले में सरकारी अस्पतालों को आधुनिक सुविध

ाओं से आच्छादित करने में जुटे है। डीएम का पूरे 2 घंटे का औचक निरीक्षण, चिकित्सालय को दे गया सौगात, जल्द होगा अस्पताल का अपना ैछब्ब बड़ा टीकाकरण केन्द्र।

जिला चिकित्सालय की तर्ज पर अब ऋषिकेश चिकित्सालय में बनेगा मॉडल टीकाकरण कक्ष, विस्तारीकरण के साथ फैसिलिटी भी, एसी, व बच्चों के मनोरंजन अनुरूप सुविधा स्थापित किया जाएगा। डीएम के माह अक्टूबर के प्रथम निरीक्षण की तुलना इस विजिट में चिकित्सालय की सुविधा में बड़ा अन्तर दिखाई दिया है। डीएम ने सुविधाओं को निरंतर बढाने के निर्देश दिए। उप जिला चिकित्सालय की अपनी पहली विजिट में डीएम ने 40 लाख ब्लड सेपरेटर मशीन की थी स्वीकृत की थी जो इसी माह स्थापित की जा रही है। डीएम ने लैब टेक्निशियन, एसएनसीयू स्टॉफ पदों की मौके पर ही स्वीकृति दी। डीएम ने अपनी फर्स्ट विजिट; में चिकित्सालय का आईसीयू संचालित कराया था माह में लगभग 50 मरीज लाभ ले रहे हैं। चिकित्सालय में संचालित चन्दन लैब में अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए डीएम ने सीएमएस को 15 दिन में व्यवस्था सुधारने के सख्त निर्देश दिए। वहीं चन्दन लैब अब 24ञ7 रहेगी संचालित करने तथा लैब का भुगतान एसडीएम एसीएमओ के सत्यापन उपरान्त ही दिए जाने को कहा। डीएम ने चिकित्सालय में महिला,पुरूष, बुजुर्ग एवं सामान्य वर्ग के होंगे अलग-2 दवा वितरण कांउटर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम की नजर खराब लिफ्ट एवं आरओ खराब पर पड़ी जिस पर डीएम का पारा चढ गया। उन्होंने सीएमएस को फटकार, एक सप्ताह के भीतर ठीक कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चंदन लैब में अव्यवस्थाओं पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को फटकार लगाई तथा 15 दिन के भीतर निर्धारित शर्तों के अनुसार व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए साथ ही चंदन लैब का भुगतान उप जिलाधिकारी ऋषिकेश एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के सत्यापन के उपरान्त ही करने के निर्देश दिए। चिकित्सालय में पर्याप्त लैब टैक्निशियन न होने पर निर्देशित किया कि लैब टैक्निशियन नियमित भर्ती तक उपनल के माध्यम से लैब टैक्निशियन रखे जांए इसके लिए स्वीकृति प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने लिफ्ट एवं आरओ खराब पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए तत्काल व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि गढवाल के सब अस्पताल जो गढवाल का द्वार है उसमें सभी व्यवस्थाएं सुविधाएं सुचारू रहें।

जिलाधिकारी ने एसएनसीयू की स्थिति जानी जिस पर बताया कि स्टॉफ की कमी के कारण संचालित नही हो पाया है, जिलाधिकारी से सीएमएस से पूछा कि एसएनसीयू के स्टॉफ के लिए मुख्य विकास अधिकारी की के संज्ञान लाते हुए एसएनसीयू के लिए स्टॉप चिकित्सक की व्यवस्था बनाते हुए संचालित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान टीकाकरण कक्ष में कम जगह होने तथा एसी न लगे होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय की तर्ज पर टीकाकरण कक्ष का विस्तारीकरण किया जाए तथा एसी लगाए जाएं।

विदेश मामलों की संसदीय कमेटी की हुई बैठक, शशि थरूर ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की मंगलवार को शाम 4 बजे बैठक की। विदेश मामलों पर संसदीय समिति की बैठक के समापन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास भारत की हिंद महासागर रणनीति नामक एक विषय पर चर्चा चल रही थी, जो एक विदेश नीति का विषय है, जिसके महत्वपूर्ण रक्षा आयाम हैं। हमें जानकारी देने के लिए रक्षा सचिव और नौसेना भी मौजूद थे। चर्चाएं शानदार रहीं। हमने विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा में ढाई घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे आप संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में देखेंगे।

शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है। इस बहुत ही व्यापक चर्चा से हमें एक अच्छी रिपोर्ट मिलेगी... इन सभी (ब्लू वॉटर नेवी) पर चर्चा की गई... ब्लू वॉटर नेवी का पूरा विचार, उससे परे हमारी सैन्य क्षमता, हर चीज पर गहन चर्चा की गई। ऑपरेशन

सिंदूर पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन उस टकराव के दौरान जो कुछ तत्व स्पष्ट हुए, वे बातचीत में सामने आए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पहले 10 जून को अमेरिका गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर ने कहा था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी मुलाकात 'उल्लेखनीय' रही। पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच 'अच्छी बातचीत' हुई और भारतीय प्रतिनिधिमंडल को लगा कि 'इससे बेहतर बैठक नहीं हो सकती थी।' प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान वेंस से मुलाकात की थी।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भड़के सिद्धारमैया, त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भगदड़ को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, तभी सिद्धारमैया ने तीखा पलटवार कर भाजपा पर पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें।

सिद्धारमैया ने कहा कि दुखद भगदड़ की घटना के संबंध में, मैं राज्य के भाजपा नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें। हमारी सरकार ने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला किया है। मेरे राजनीतिक

सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

सीएम ने कहा कि इसतरह के निर्णायक कदम उठाने के बावजूद, राज्य में भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन जारी रखते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्ध की तरह झपटना उनके डीएनए में समाया हुआ है। यहां तक कि अगर उनके आंगन में एक हाथी भी मर जाता है, तब उन्हें अपने पड़ोसी की थाली में मक्खी पर ध्यान देने की आदत है। कर्नाटक के लोग व्यवहार के इस पैटर्न को समझ चुके हैं। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं।

सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी सरकार कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों के प्रति जवाबदेह है। इसलिए भगदड़ मामले में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रारंभिक कार्रवाई की गई है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में व्यापक और निष्पक्ष जांच की जा रही है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आफॅसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादक: विभोर त्रिखा-09927012330